महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

जनसंपर्क कार्यालय

PUBLIC RELATIONS OFFICE

आज़ादी का अमृत महोत्सव

भारतीय ज्ञान परंपरा का वैज्ञानिक पद्धति से समझना होगा : प्रोफेसर ई . वायुनंदन

हिंदी विश्वविद्यालय में दस दिवसीय शोध कार्यशाला हुआ सम्पन्न

वर्धा, 22 नवंबर 2024 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज मेंभारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के सहयोग से दस दिवसीय शोध प्रविधि कार्यशाला का आज विधिवत समापन किया गया। कार्यक्रम का आरंभ मुख्य अतिथि प्रो. ई . वायुनंदन एवं अकादमिक निदेशक, क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। मुख्य वक्ता के रूप में भूतपूर्व कुलपति, यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विश्वविद्यालय, नाशिक के प्रो. ई. वायुनंदन का स्वागत सूत की माला एवं पुष्प गुच्छ देकर अकादमिक निदेशक द्वारा किया गया। प्रोफेसर ई . वायुनंदन ने शिक्षा और महिला मुद्दों से अपनी बात आरंभकी, शोध को लेकर यूजीसी की गंभीरता पर, सामाजिक विज्ञान, शोध की कमियों और उस में सुधार पर, इतिहास के महत्व पर, सामाजिक शोध, उद्देश्यों, परिकल्पना,

क्षेत्र , रिव्यू ऑफ लिटरेचर, लाइब्रेरी का महत्व और थीसिस राइटिंग, शोध मौलिकता पर बात करते हुए अपने अकादमिक जनित अनुभव साझा करते हुए शोध के विभिन्न आयामों पर अपनी बात रखी। भारतीय ज्ञान परंपरा का वैज्ञानिक पद्धति से समझने पर बल दिया। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. दिगम्बर मा. तंगलवाड़ ने शोध के अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि "ज्ञान प्राप्ति एक यात्रा है" और उन्होंने शोध के विभिन्न आयामों और पद्धतियों को सामाजिक अनुभवों से जोड़ते हुए अपने विचार रखे। कार्यशाला में सहभागी सभी प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि के हाथों प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। स्वागत वक्तव्य डॉ. सुरभि विप्लव द्वारा किया गया। प्रतिभागियों का प्रतिनिधित्व करते हुए निवेदिता, दामिनी और सुमंत ने इस कार्यशाला के फीडबैक का अनुभव सबके समक्ष रखे। इस दस दिवसीय कार्यशाला की प्रतिवेदन रिपोर्ट कार्यशाला के सहसंयोजक डॉ. मिथिलेश कुमार तिवारी ने प्रस्तुत किया।

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: buddhadassmirge@hindivishwa.ac.in वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

इस कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. ए. के सरन , प्रोफेसर राजेश के गर्ग, डॉ. सुप्रिया पाठक, प्रोफेसर अखिलेश कुमार दुबे , डॉ. आरती उपाध्याय, डॉ. डी. के. लाल, डॉ. अनिल कोपरकर, प्रोफेसर गिरीश्वर मिश्रा, प्रोफेसर अरविंद मिश्रा, डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. आशीष सक्सेना , डॉ. बी. के. सिंह, डॉ. कुमार रविप्रिया, डॉ. विनोद कुमार, प्रोफेसर विष्णु मोहन दास, डॉ. दिवाकर राजपूत, प्रोफेसर बद्रीनारायण मुख्य रूप से शामिल हुए। समापन समारोह का सफल संचालन डॉ. मिथिलेश कुमार तिवारी एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. आशा मिश्रा द्वारा किया गया। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से कुल 31 प्रतिभागी सम्मिलित हुए। इस समापन समारोह के अवसर पर डॉ. अख्तर आलम, डॉ. हरप्रीत कौर, डॉ. सत्यवीर, डॉ. विजया सिंह, डॉ. सुरभि विप्लव, डॉ. श्याम सिंह, जयेन्द्र जायसवाल, राहुल त्रिपाठी, सुभाष श्रीवास्तव, रश्मि, प्रत्यूष शुक्ल, गीता देवी, देवमूर्ति द्विवेदी, बिरजू प्रसाद, जगजीवन राम प्रजापति, रोहित कुमार, अभिषेक आदि उपस्थित थे।